परिकल्पना (Hypothesis)

परिकल्पना का शाब्दिक अर्थ है – 'पूर्व चिन्तन' बिना परिकल्पना बनाये कोई भी शोध कार्य सम्भव नहीं होता। Hypothesis के सन्दर्भ में 'परिकल्पना/उपकल्पना' या 'प्राक्कल्पना' इत्यादि शब्द जाने जाते है।

यह अनुसन्धान की प्रक्रिया का दूसरा महत्वपूर्ण स्तम्भ है। अनुसन्धान कार्य इस परिकल्पना के निर्माण और उसके परीक्षण के मध्य की प्रक्रिया है। परिकल्पना के निर्माण के बिना न तो कोई प्रयोग होता है और ना ही कोई शोध कार्य सम्भव हो सकता है। परिकल्पना के अभाव मे शोध कार्य एक उद्देश्यहीन मात्र है।

टाउन सैण्ड (Townsend -1953) कहते है, ''परिकल्पना एक समस्या का प्रस्तावित उत्तर होता है।''

मेरी परिकल्पना में भरतपुर राज्य और राजाओं द्वारा निर्मित विभिन्न निर्माण कार्य, स्थापत्यों और उनसे सम्बन्धित विभिन्न वस्तुओं को मैंने अपने अनुसंधान का विषय बनाया है। इस विषय पर अन्य जिन अनुसंधान कर्ताओं ने कार्य किया है। वह अत्यन्त लद्यु शोध के रूप में या मौखिक रूप में मुझे प्राप्त हुआ है और इन सभी से मुझे परिकल्पना निर्माण में सहायता प्राप्त हुई है और अपनी परिकल्पना को आधार बनाकर और विभिन्न माध्यमों से मुझे जो विशेष जानकारियों प्राप्त हुई है। जैसे महाराणा सूरजमल और जवाहर सिंह ने जहाँ कहीं भी विभिन्न निर्माण कार्य कराये है जो अभी तक गुप्त है या अभी तक जानकारी में नहीं है मै उन सभी को लोगों के सामने तथा उनसे सम्बन्धित विशेष विशेषताओं को, गुणों को अपने शोध के माध्यम से प्रकाश में लाना चाहती हूँ। जिन्हें मैंने अपने विशेष खोज के माध्यम से एकत्र किया है।